भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 3005
गुरुवार, 13 अगस्त, 2026 को उत्तर देने के लिए

अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी कंपनियाँ

3005. श्रीमती फूलो देवी नेतमः

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) 'इन-स्पेस' द्वारा अब तक देश में कुल कितने निजी अंतरिक्ष स्टार्टअप्स को पंजीकृत और अधिकृत किया गया है;

(ख) क्या सरकार ने निजी कंपनियों को इसरो के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा की अवसंरचना और लॉन्च पैड का उपयोग करने के लिए कोई समान अवसर नीति तैयार की है; और

(ग) आगामी दो वर्षों में भारतीय निजी कंपनियों द्वारा कुल कितने कमर्शियल रॉकेट प्रक्षेपित किए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

****

(क) **डीपीआईआईटी स्टार्ट-अप इंडिया पोर्टल** के अनुसार, भारत में लगभग **440 अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी स्टार्टअप्स** पंजीकृत हैं। इन-स्पेस ने 52 गैर-सरकारी कंपनियों (एनजीई) को विभिन्न अंतरिक्ष गतिविधियों के लिए 113 प्राधिकरण प्रदान किए हैं, जिनमें से 18 स्टार्ट-अप्स हैं। उनके विवरण निम्नानुसार हैं:

1. अग्निकुल कॉस्मॉस प्राइवेट लिमिटेड,
2. अक्षत एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड,
3. अजिस्ता बीएसटी,
4. बेल्लाट्रिक्स एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड,
5. कॉस्मोसर्व स्पेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड,
6. ध्रुव स्पेस प्राइवेट लिमिटेड,
7. दिगंतरा रिसर्च एंड टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड,

8. गैलेक्सआई स्पेस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड,
9. एचईएक्स20लैब्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड,
10. इनऑर्बिट स्पेस टेलीकम्युनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड,
11. मनस्तु स्पेस टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड,
12. एनस्पेस टेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड,
13. ऑर्बिटएआईडी एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड,
14. पियरसाइट स्पेस प्राइवेट लिमिटेड,
15. पिक्सलस्पेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड,
16. स्काईरूट एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड,
17. स्पेस किड्ज़ इंडिया,
18. टेकमी2स्पेस टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड,

(ख) इसरो की अवसंरचना के उपयोग और उस तक पहुँच के लिए प्राप्त आवेदनों (जिसमें श्रीहरिकोटा स्थित इसरो के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के लॉन्च पैड भी शामिल हैं) को इन-स्पेस के डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्राप्त आवेदन के आधार पर मानक एसओपी के अनुसार संसाधित किया जाता है तथा तैयारियों से संबंधित पहलुओं की समीक्षा इन-स्पेस की एक विशेषज्ञ समिति द्वारा की जाती है।

(ग) आगामी दो वर्षों में भारतीय निजी कंपनियों द्वारा प्रक्षेपित किए जाने वाले कमर्शियल रॉकेटों की प्रस्तावित कुल संख्या निम्नानुसार है:

वित्त वर्ष 26-27: 02

वित्त वर्ष 27-28: प्रक्षेपण घोषणापत्र को अभी इन-स्पेस द्वारा अनुमोदित किया जाना शेष है। यह आशा की जाती है कि भारतीय निजी कंपनियों द्वारा 06 से अधिक प्रक्षेपण किए जाएंगे।

****